भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 95

उत्तर देने की तारीख 25 नवंबर, 2024

सोमवार, 4 अग्रहायण 1946 (शक)

युवाओं के नियोजन में सुधार

95. श्री अशोक कुमार रावत:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने युवाओं की रोजगार क्षमता में सुधार तथा नई नौकरियों की भूमिकाएं पूरी करने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है;

(ख) क्या सरकार स्किल इंडिया डिजिटल पहल के तहत नए डिजिटल पाठ्यक्रमों की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है;

(ग) उत्तर प्रदेश राज्य के सीतापुर, हरदोई, कानपुर जिले में कार्यरत केंद्रों की संख्या का ब्योरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा शुरू की गई स्किल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) पहल की मुख्य विशेषताएं तथा उद्देश्य क्या हैं;

(ङ) क्या सरकार द्वारा की गई पहल देश में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) को अपनाने को बढ़ावा देगी तथा उक्त पहल किस प्रकार उद्योग 4.0 का समर्थन करेगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है; और

(च) एसआईडी का उपयोग करके नागरिक को मिलने वाले संभावित लाभों का ब्योरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) देश के युवाओं की नियोजनीयता में सुधार लाने और नई जॉब रोल निभाने के लिए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) कुशल भारत मिशन (सिम) के अंतर्गत, विभिन्न स्कीमों अर्थात प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन

शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम (सीटीएस) के द्वारा कौशल विकास केंद्रों/कॉलेजों/संस्थानों के एक व्यापक नेटवर्क के माध्यम से देश भर में समाज के सभी वर्गों को कौशल, पुनर्कौशल और कौशलोन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। सिम का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य और उद्योग के लिए कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाना है। सिम का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार और उद्योग के लिए तैयार कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बाजार की जरूरतों के अनुरूप बनाने और प्रशिक्षुओं की नियोजनीयता में सुधार लाने के लिए निम्नलिखित विशिष्ट कदम उठाए गए हैं:

i. एमएसडीई की स्कीमों के अंतर्गत प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम बाजार मांग को ध्यान में रखते हुए उद्योगों के सहयोग से विकसित किए जाते हैं। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा संबंधित क्षेत्रों में अग्रणी उद्योगपति के नेतृत्व में 36 क्षेत्र कौशल परिषदों (एसएससी) की स्थापना की गई है, जिन्हें संबंधित क्षेत्रों की कौशल विकास आवश्यकताओं की पहचान करने के साथ-साथ कौशल अर्हता मानकों को निर्धारित करने का दायित्व सौंपा गया है।

ii. पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत उद्योग 4.0, ड्रोन, कृत्रिम मेधा (एआई), रोबोटिक्स, मेक्ट्रोनिक्स आदि जैसे उभरते क्षेत्रों की आवश्यकताओं को संबोधित करते हुए भविष्य के लिए तैयार जॉब रोलों को प्राथमिकता दी गई है। सीटीएस के तहत भी, उभरती प्रौद्योगिकियों में भावी जॉब रोलों की मांग को पूरा करने के लिए आधुनिक युग के पाठ्यक्रम विकसित किए गए हैं।

iii. राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) को तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) क्षेत्र में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विनियमन और मानक स्थापित करने वाले एक व्यापक नियामक के रूप में स्थापित किया गया है।

iv. एनसीवीईटी द्वारा मान्यता प्राप्त अवार्डिंग निकायों से अपेक्षा की जाती है कि वे उद्योग मांग के अनुसार अर्हताएं विकसित करें और उन्हें श्रम और रोजगार मंत्रालय के राष्ट्रीय व्यवसाय वर्गीकरण, 2015 के अनुसार पहचाने गए व्यवसायों के साथ मैप करें और उद्योग सत्यापन प्राप्त करें।

v. प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) फ्लेक्सी एमओयू स्कीम और प्रशिक्षण की दोहरी प्रणाली (डीएसटी) को कार्यान्वित कर रहा है। इन पहलों का उद्देश्य आईटीआई छात्रों को औद्योगिक वातावरण में प्रशिक्षण प्रदान करना है।

vi. राष्ट्रीय कौशल अर्हता ढांचा (एनएसक्यूएफ) से जुड़े पाठ्यक्रमों में कार्यरत प्रशिक्षण (ओजेटी) और नियोजनीयता कौशल के घटक भी हैं।

vii. डीजीटी ने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों के अंतर्गत राज्य और क्षेत्रीय स्तर पर संस्थानों के लिए उद्योग संबंध सुनिश्चित करने के लिए आईबीएम, सिस्को, फ्यूचर स्किल राइट्स नेटवर्क (पूर्ववर्ती क्वेस्ट अलायंस), अमेज़ॅन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) और माइक्रोसॉफ्ट जैसी आईटी टेक कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

viii. एनएसडीसी, बाजार आधारित कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्रदाताओं को सहायता प्रदान करता है जो कौशल पाठ्यक्रमों को उद्योग की मांग के साथ सहयोग और संरेखित करते हैं।

ix एनएपीएस के तहत शिक्षुता प्रशिक्षण और शिक्षुता कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ जुड़ाव बढ़ाने को बढ़ावा दिया जाता है।

x भारत सरकार ने दस देशों अर्थात फ्रांस, जर्मनी, इजरायल, ताइवान, ऑस्ट्रिया, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, पुर्तगाल और फिनलैंड के साथ प्रवासन और गतिशीलता समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं के साथ इन देशों में मांग के अनुरूप कौशल विकास को जोड़ने के लिए समझौता किया गया है।

xi. भारत सरकार ने विदेशों में कुशल श्रमिकों की मांग को पूरा करने के लिए 30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है।

(ख) से (ङ) स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) एक व्यापक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसे भारत में कौशल, शिक्षा, रोजगार और उद्यमशीलता परिदृश्य को समन्वित और बदलने के लिए तैयार किया गया है। यह उद्योग-प्रासंगिक कौशल पाठ्यक्रमों, जॉब के अवसरों और उद्यमशीलता सहायता तक पहुँच प्रदान करके बेहतर अवसरों की तलाश करने वाले लाखों भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। कौशल, शिक्षा, रोजगार और उद्यमशीलता के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के रूप में, सिद्ध इन क्षेत्रों में सरकारी पहलों के लिए एक व्यापक सूचना गेट-वे के रूप में कार्य करता है, जिससे यह करियर में उन्नति और आजीवन सीखने की चाह रखने वाले नागरिकों के लिए एक केंद्र बन जाता है। सिद्ध के प्राथमिक उद्देश्यों में कौशल विकास के लिए डिजिटल पहुँच को सुविधाजनक बनाना, कौशल इकोसिस्टम को एकीकृत करना, रोजगार और उद्यमशीलता को बढ़ाना, आजीवन सीखने को बढ़ावा देना, सूचना गेटवे के रूप में कार्य करना और डेटा-संचालित निर्णय लेने का लाभ उठाना शामिल है।

सिद्ध को देश में डीपीआई को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सिद्ध भारत के कौशल विकास, शिक्षा, रोजगार और उद्यमशीलता परिदृश्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण डीपीआई में से एक है क्योंकि यह एक मूलभूत डिजिटल इकोसिस्टम प्रदान करता है जो विभिन्न सार्वजनिक और निजी हितधारकों का समर्थन और एकीकरण करता है। यह एक मापनीय और अंतर-संचालित अवसंरचना के रूप में कार्य करता है जो संसाधनों की पहुँच, वितरण और प्रबंधन की सुविधा प्रदान करता है। सिद्ध अपने डिजिटल लर्निंग भागीदारों द्वारा प्रदान किए गए बिग डेटा, मशीन लर्निंग और एनालिटिक्स आदि पर भविष्य के पाठ्यक्रमों की पेशकश करके उद्योग 4.0 के लिए भारतीय कार्यबल को तैयार करने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उद्योग 4.0 पाठ्यक्रम अर्थात विकसित कृत्रिम मेधा (एआई) के साथ पायथन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फाउंडेशन, जेनरेटिव एआई, सुपरवाइज्ड लर्निंग के साथ क्लासिकल मशीन लर्निंग मॉडल का निर्माण, डेटा एनालिटिक्स एसेंशियल, रिलेशनल डेटा वेयरहाउस में एनालिटिक्स डेटा, साइबर सुरक्षा एसेंशियल, डेटा साइंस का परिचय, किसान ड्रोन ऑपरेटर, ईवी सर्विस टेक्नीशियन, बायो-वेस्ट मैनेजमेंट, अन्य प्रमाणन पाठ्यक्रमों के साथ, प्लेटफ़ॉर्म पर पेश किए जा रहे हैं।

सिद्ध नागरिकों को कई लाभ प्रदान करता है, जिसमें डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से कभी भी और कहीं भी उपलब्ध उच्च-गुणवत्ता वाले, उद्योग-संरेखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और संसाधनों तक पहुँच शामिल है। सिद्ध विश्वसनीयता और नियोजनीयता बढ़ाने के लिए मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र प्रदान करता है, नौकरी चाहने वालों को नियोक्ताओं और जॉब के अवसरों से जोड़ता है, और निरंतर सीखने और कौशल बढ़ाने को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों में कौशल अंतर को पाटना है, समावेशी विकास और अवसरों तक समान पहुँच सुनिश्चित करना है। इसके अलावा, सिद्ध महत्वाकांक्षी उद्यमियों को संसाधन, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करके उनका समर्थन करता है ताकि उन्हें अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक शुरू करने और विकसित करने में मदद मिल सके, जिससे समग्र आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान मिलता है।

सिद्ध भारतीय कौशल इकोसिस्टम के लिए एकीकृत मंच है। व्यक्ति केंद्र सरकार, राज्य सरकार, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल और निजी भागीदारों द्वारा पेश किए जाने वाले कौशल कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों की खोज कर सकते हैं और उनमें नामांकन कर सकते हैं। सिद्ध को निस्बड के प्रशिक्षित उद्यमियों के उत्पादों को सूचीबद्ध करने और छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड) के उद्यमकर्ताओं के साथ भी एकीकृत किया गया है।

(ग) उत्तर प्रदेश राज्य के सीतापुर, हरदोई और कानपुर जिलों में कार्यरत प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या इस प्रकार है:

स्कीम	**सीतापुर**	**हरदोई**	**कानपुर**
पीएमकेवीवाई	6	5	20
जेएसएस	0	1	2
एनएपीएस	73	58	359
सीटीएस (आईटीआई)	13	15	99

*यह डेटा प्रतिष्ठानों की संख्या के लिए है क्योंकि एनएपीएस स्कीम में शिक्षुता प्रशिक्षण उसी के माध्यम से प्रदान किया जाता है।

******